डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ.16 / 14 / बी.एस. / पी.एन. /

20 सितंबर 2021

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान

साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर कंबार की अध्यक्षता में रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में शनिवार, 18 सितंबर 2021 को आयोजित अकादेमी के कार्यकारी मंडल की बैठक में निम्नलिखित गैर–मान्यता प्राप्त भाषाओं के लेखकों / विद्वानों को संबंधित भाषाओं के संवर्धन और उनके बहुमूल्य योगदान के लिए साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान पुरस्कार हेतु अनुमोदित किया गया।

भाषा	**पुरस्कार विजेता का नाम**	
भोजपुरी	डॉ. अशोक द्विवेदी श्री अनिल ओझा 'नीरद'	संयुक्त
तिवा	श्री होरसिंग खोलर	

पुरस्कार के रूप में 1,00,000 /– रुपये की राशि उत्कीर्ण ताम्रफलक और प्रशस्ति पत्र इन भाषा सम्मान विद्वानों को साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा बाद में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किए जाएँगे।

भाषा सम्मान विजेताओं के संक्षिप्त बायोडाटा और निर्णायक समितियों के सदस्यों के नाम, जिनकी सिफारिशों पर भाषा सम्मान की घोषणा की गई थी, नीचे दिए गए हैं:

डॉ. अशोक द्विवेदी भोजपुरी और हिंदी भाषाओं के प्रख्यात लेखक एवं संपादक हैं। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। उनकी भोजपुरी और हिंदी में 13 पुस्तकें प्रकाशित हैं। उनकी कुछ प्रकाशित रचनाएँ हैं–*घनानन्द और उनकी कविता, अढाई आखर, रामजी के सगुना, बनचरी* आदि। उनकी रचनात्मक प्रतिभा, संगठनात्मक क्षमता और भोजपुरी भाषा और साहित्य के लिए उनका समर्पण सराहनीय है।

श्री अनिल ओझा 'नीरद' एक प्रख्यात भोजपुरी विद्वान हैं। उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय से हिन्दी में परास्नातक की डिग्री प्राप्त की। भोजपुरी में उनकी छह रचनाएँ प्रकाशित हैं। उनकी कुछ रचनाएँ हैं–*माटी के दीया, वीर सिपाही मंगल पांडे, पिंजरा के मोल, गुरु दक्षिणा* तथा *कहत कबीर* आदि। उन्होंने विविध विधाओं में रचनात्मक लेखन के साथ–साथ भोजपुरी से इतर क्षेत्रों में भोजपुरी के प्रचार–प्रसार के लिए अतुलनीय योगदान दिया है।

श्री होरसिंङ् खोलर एक प्रख्यात तिवा विद्वान हैं। उनकी आठ रचनाएँ प्रकाशित हैं। उनकी कुछ तिवा में रचनाएँ हैं –*पलांग्शी, सिगारुने संजुली, चोंगमई, अदला रे थेनदुने सदरा* तथा *पनत शाला* आदि। पिछले दो दशकों से तिवा भाषा के साहित्यिक परास को निर्मित करने में उनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है।

...2 /–

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

भोजपुरी और तिवा के निर्णायक सदस्यों के नाम

भोजपुरी भाषा	तिवा भाषा
डॉ. अरुणेश नीरन	श्री लालसिंह मदार
पंडित हरिराम द्विवेदी	डॉ. फ्रांसिस मसलन
प्रो. प्रमोद तिवारी	डॉ. अरूप कुमार नाथ

प्रकाशन / प्रसारण हेतु जारी।

(के. श्रीनिवासराव)